बाळासाहेब देसाई कॉलेज, पाटण
तहसील- पाटण , जिला- सातारा
हिंदी विभाग
2023-24

सेमिस्टर –V अंतर्गत मूल्यमापन - सेमीनार (Seminar)   दिनांक- 05/ 10/2023

सूचना

महाविद्यालय के B.A.III के हिंदी विषय के छात्रों को सूचित किया जाता है कि शिवाजी विश्वविद्यालय के अधिनियम के अनुसार B.A.III हिंदी के लिए 10 अंकों का सेमीनार (Seminar) लेना अनिवार्य है । आप को सूचित किया जाता है की हिंदी पेपर नं. VII, VIII तथा X के लिए 10 अंको का सेमीनार (Seminar) की प्रस्तुति 11/10/2023 से 13/10/2023 तक सुबह 10.30 बजे आप की कक्षा में (B.A.III Class Room) में होगी । इस उपक्रम में B.A.III हिंदी विषय के सभी छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य रहेगी, जो छात्र इस उपक्रम में उपस्थित नहीं होंगे, वे छात्र विश्वविद्यालय परीक्षा में फेल होगें। अतः इस नुकसान के लिए छात्र स्वयं जिम्मेदार होगा।

सेमीनार की विषय सूची संलग्न है ।

डॉ. व्ही. बी.कुरणे
हिन्दी विभागाध्यक्ष
बाळासाहेब देसाई कॉलेज. पाटण
जि. सातारा.

बाळासाहेब देसाई कॉलेज, पाटण
हिंदी विभाग
सेमीनार २०२३-२४

अनु.	छात्र का नाम	प्रश्नपत्र VII विधा विशेष का अध्ययन	प्रश्नपत्र VIII साहित्यशास्त्र	प्रश्नपत्र X प्रयोजनमूलक हिंदी
1	CHOPADE UJJWALA ASHOK	कुसुम कुमार – व्यक्तित्व एवं कृतित्त्व	काव्य के प्रकार	फिल्म में रोजगार
2	DESAI MOHINI ASHOK	'दिल्ली ऊँचा सुनती है'- संवाद	काव्य के गुण	पत्रकारिता में रोजगार
3	GALAVE KOMAL RAMCHANDRA	'दिल्ली ऊँचा सुनती है'- - भाषा शैली	रस-अंग	समाचार लेखन-दुर्घटनाओं का समाचार लेखन
4	GAVALI SANJANA PRAKASH	कुसुम कुमार – व्यक्तित्व एवं कृतित्त्व	काव्य के प्रकार	सरकारी कार्यालयीन पत्रचार- कार्यालयीन आदेश
5	GHADAGE AJAY SANJAY	'दिल्ली ऊँचा सुनती है'- कथावस्तु	रस -भेद	सरकारी कार्यालयीन पत्रचार-अनुस्मारक पत्र
6	GHARGE ANKITA VISHVAS	'दिल्ली ऊँचा सुनती है'- उद्देश्य	काव्य/साहित्य : तत्त्व	सरकारी कार्यालयीन पत्रचार-सूचना
7	JADHAV ANIKET NAVNATH	'दिल्ली ऊँचा सुनती है'- अभिनेयता	काव्य के प्रयोजन	सरकारी कार्यालयीन पत्रचार-कार्यालय आदेश
8	JADHAV MINAKSHI PANDHARINATH	'दिल्ली ऊँचा सुनती है'- समस्याएँ	अलंकार के भेद - वक्रोक्ति, यमक	रेडीओ में रोजगार
9	JADHAV REKHA SAMPAT	'दिल्ली ऊँचा सुनती है'- देशकाल - वातावरण	रस-स्वरूप	पारिभाषिक शब्दावली
10	KADAM SHAMAL UTTAMBHAU	'दिल्ली ऊँचा सुनती है'- शीर्षक	काव्य दोष	समाचार लेखन-प्राकृतिक आपदा
11	KAMBALE SWAPNIL SHRIMANT	'दिल्ली ऊँचा सुनती है- पात्र एवं चरित्र चित्रण	अलंकार के भेद - शब्दालंकार , अनुप्रास अलंकार	समाचार लेखन- महाविद्यालयीन हिंदी दिवस समारोह
12	KAMBLE SNEHAL BALARAM	कुसुम कुमार – व्यक्तित्व एवं कृतित्त्व	अलंकार के भेद - अर्थालंकार , उपमा, रूपक	विज्ञापन में रोजगार
13	KASHYAP MANSING ARJUN	'दिल्ली ऊँचा सुनती है'- संवाद	अलंकार के भेद - अर्थालंकार , अतिशयोक्ति, विभावना	अनुवाद में रोजगार
14	KOLEKAR AKANKSHA VIJAY	'दिल्ली ऊँचा सुनती है'- - भाषा शैली	काव्य के प्रकार	पत्रकारिता में रोजगार
15	MISAL SONALI NARAYAN	कुसुम कुमार – व्यक्तित्व एवं कृतित्त्व	काव्य के गुण	फिल्म में रोजगार

16	MOLAWADE KARTIKI MARUTI	'दिल्ली ऊँचा सुनती है'- कथावस्तु	रस-अंग	समाचार लेखन-दुर्घटनाओं का समाचार लेखन
17	MORE AKSHAY SHANKAR	'दिल्ली ऊँचा सुनती है'- उद्देश्य	काव्य के प्रकार	सरकारी कार्यालयीन पत्रचार- कार्यालयीन आदेश
18	MUJAWAR MADINABEGAM BASHIRSAB	'दिल्ली ऊँचा सुनती है'- अभिनेयता	रस -भेद	सरकारी कार्यालयीन पत्रचार-अनुस्मारक पत्र
19	PATANGE VARSHA SHRIKANT	'दिल्ली ऊँचा सुनती है'- समस्याएँ	काव्य/साहित्य : तत्त्व	सरकारी कार्यालयीन पत्रचार-सूचना
20	PATIL PRIYANKA SUNIL	'दिल्ली ऊँचा सुनती है'- देशकाल - वातावरण	काव्य के प्रयोजन	सरकारी कार्यालयीन पत्रचार-कार्यालय आदेश
21	PAWAR OMKAR VASANT	'दिल्ली ऊँचा सुनती है'- शीर्षक	अलंकार के भेद - वक्रोक्ति, यमक	रेडीओ में रोजगार
22	PHALLE MEGHA SURESH	'दिल्ली ऊँचा सुनती है- पात्र एवं चरित्र चित्रण	रस-स्वरूप	पारिभाषिक शब्दावली
23	SALUNKHE GURUNATH SHNAKAR	कुसुम कुमार – व्यक्तित्व एवं कृतित्व	काव्य दोष	समाचार लेखन-प्राकृतिक आपदा
24	SHEDAGE BHAGYSHRI SANJAY	'दिल्ली ऊँचा सुनती है'- संवाद	अलंकार के भेद - शब्दालंकार , अनुप्रास अलंकार	समाचार लेखन-महाविद्यालयीन हिंदी दिवस समारोह
25	SHELAKE RESHMA DAGADU	'दिल्ली ऊँचा सुनती है'- - भाषा शैली	अलंकार के भेद - अर्थालंकार , उपमा, रूपक	विज्ञापन में रोजगार
26	SHILWANT SUSHANT SURESH	कुसुम कुमार – व्यक्तित्व एवं कृतित्त्व	अलंकार के भेद - अर्थालंकार , अतिशयोक्ति, विभावना	अनुवाद में रोजगार
27	SHINDE SUSHMITA LAXMAN	'दिल्ली ऊँचा सुनती है'- कथावस्तु	काव्य के प्रकार	पत्रकारिता में रोजगार
28	SURVE OMKAR NAVANATH	'दिल्ली ऊँचा सुनती है'- उद्देश्य	काव्य के गुण	फिल्म में रोजगार
29	SUTAR GANESH HANMANT	'दिल्ली ऊँचा सुनती है'- अभिनेयता	रस-अंग	समाचार लेखन-दुर्घटनाओं का समाचार लेखन
30	YADAV LAXMI HARIBA	'दिल्ली ऊँचा सुनती है'- समस्याएँ	काव्य के प्रकार	सरकारी कार्यालयीन पत्रचार- कार्यालयीन आदेश

डॉ.व्ही. बी. कुरणे
अध्यक्ष, हिंदी विभाग
बाळासाहेब देसाई कॉलेज, पाटण

बाळासाहेब देसाई कॉलेज पाटण

हिंदी विभाग

सेमीनार २०२३-२४

पेपर का नाम:- विधा विशेष का अध्ययन

सेमीनार का विषय:-दिल्ली ऊँचा सुनती है-
कथा वस्तु

प्रस्तुत कर्ता:- कु अजय संजय घाडगे

मार्गदर्शक प्राध्यापक: प्रा. कुरणे सर

बाबासाहेब देसाई कॉलेज, पाटण
हिंदी विभाग
सेमीनार 2023-24
पेपर का नाम - विधा विशेष का अध्ययन

सेमीनार का विषय - 'दिल्ली ऊँचा सुनती है' - कथावस्तु
प्रस्तुत कर्ता :- कु. अजय संजय घाडगे
मार्गदर्शक प्राध्यापक - डॉ

डॉ कुसुम कुमार द्वारा लिखित नाटक 'दिल्ली ऊँचा सुनती है' एक बेहद प्रभावी नाटक है। नाटक के सभी तत्व इसमे विद्यमान है। इस नाटक का फलक व्यापक है। आज के जीवन में व्याप्त विविध समस्याये मे से एक प्रमुख समस्या कार्यकलीन कामकाज की पदधती की है। इसी ओर सूक्ष्मता के साथ पाठकों का ध्यान खिंचने का कार्य प्रस्तुत नाटक द्वारा हुआ है। प्रस्तुत नाटक का कथानक रंगमंच के लिए अनुकूल है। यह एक व्यंगपरक रचना है। समय-समय पर इसमे व्यंग्यपुर्ण भाषा का प्रयोग हुआ है। यह कथावस्तु को आगे बढाने के लिए आवश्यक है। इस नाटक के दृश्य मार्मिक है। मन को कुछ बाते कचोटती है पर क्या करे परिवेश के आगे नायक हतबल होना दिखाया गया है। स्वार्थपुर्ण महानगरिय सभ्यता किस प्रकार मानवता पर प्रहार करती है, यह प्रस्तुत नाटक में व्यक्त हुआ है। इस नाटक कि कथावस्तु के माध्यम से समूचे देश मे व्याप्त नोकरशाही लालफितशाही और भ्रष्टाचार को उजागर किया है। प्रस्तुत नाटक की कथावस्तु साधारण विषय संबंधित है।

FOR EDUCATIONAL USE

बाळासाहेब देसाई कॉलेज ,पाटण

हिंदी विभाग

सेमीनार २०२३-२४

पेपर का नाम :- साहित्यशास्त्र

सेमीनार का विषय :-रस-भेद

प्रस्तुत कर्ता:- कु.अजय संजय घाडगे

मार्गदर्शक प्राध्यापक :- प्रा. कुरणे सर

बाळासाहेब देसाई कॉलेज, पाटण
हिंदी विभाग
सेमीनार 2023-24.
पेपर का नाम - साहित्यशास्त्र

सेमीनार का विषय - रस - भेद
प्रस्तुत कर्ता - कु. अजय संजय घाडगे.
मार्गदर्शक प्राध्यापक -

रस के भेदों का विवेचन कीजिए।

रस का काव्य मे अत्याधिक महत्व रहता है। आचार्य भरतमुनि ने रस के आठ भेद स्वीकार किए है। इनके बाद अनेकों विद्वानो ने रस के नौ भेद स्वीकार किए। आगे चलकर और दो रसों को स्वीकृत किया गया परंतु ये दो रस भक्ति रस के ही उपकार माने गए।

1) श्रृंगार रस :-
श्रृंगार रस को 'रसराज' की संज्ञा दी गई है। इसमे सभी भाव संचारी रूप मे अभिव्यक्त होते है। भोजराज के विचार से यही एकमात्र रस है, जिसमे भावों का संचारण होता है। विभावानुभाव एवं संचारी भावों के संयोग से परिपक्व अवस्था मे पहुँचा हुआ रति स्थायी भाव श्रृंगार रस मे परिणत होता है। इसमे समस्त संचारी भाव, विभाग एवं अनुभाव आते है।

2) वीर रस :-
वीर रस काव्य मे महत्वपूर्ण माना जाता है। इसका वर्ण सोने के समान गौर माना जाता है। आलंबन - शुद्र - शत्रु, ऐश्वर्य, साहसिक कार्य आदि होते है। इसके उद्दीपन - प्रदर्शन, ललकार, अनुभाव - आँखो का लाल होना, भुजाओ का संचालन आदि होता है। इसके अंतर्गत आने वाले संचारी भावों मे गर्व, उग्रता, धैर्य, असूया, मति आदि आते है।

FOR EDUCATIONAL USE

बाळासाहेब देसाई कॉलेज

पाटण

हिंदी विभाग

सेमीनार २०२३-२४

पेपर का नाम :-प्रयोजन मूलक हिंदी

सेमीनार का विषय :-सरकारी कार्यालयीन पत्राचार कार्यालयीन आदेश

प्रस्तुत कर्ता :- कु अजय संजय घाडगे

मार्गदर्शक प्राध्यापक :- प्रा. कुरणे सर

बाळासाहेब देसाई कॉलेज, पाटण
हिंदी विभाग
सेमीनार 2023-24.

पेपर का नाम - प्रयोजनमूलक हिंदी.

सेमीनार का विषय - सरकारी कार्यालयीन पत्राचार. कार्यालयीन आदेश.

प्रस्तुत कर्ता - कु. अजय संजय घाडगे.
मार्गदर्शक प्राध्यापक -

परिपत्र :-

परिपत्र को अंग्रेजी मे सरक्युलर (Circular) कहा जाता है। यह परिपत्र अनेक प्रेषितियो को एक साथ भेजा जाता है। जैसे सरकारी पत्र, ज्ञापन या कार्यालय ज्ञापन अनेक प्रेषितो को भेजा जाता है। यदि कोई भी सरकारी पत्र सभी राज्यो के सरकारो को भेजना है, तो वह भी परिपत्र कहलाता है। यदि कोई कार्यालय ज्ञापन भारत सरकार से सभी मंत्रालयो को भेजा जा रहा है, तो वह भी परिपत्र कहलाता है। परिपत्र की रचना या भाषा-शैली अन्य सरकारी कार्यालयीन पत्रों के समान होती है।

परिपत्र :-

संख्या .... भारत सरकार
खाद्यान्न विभाग।

प्रेषक,
विश्वनाथ सुतार,
उपसचिव, भारत सरकार।

सेवा मे,
सभी राज्य सरकारे।
नई दिल्ली - 2, 07 मार्च, 2020

FOR EDUCATIONAL USE